भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान लुधियाना द्वारा प्राप्त दिशानिदेशों के क्रम में उत्तराखण्ड के मक्का उत्पादकों हेतु जारी सलाह

उत्तराखण्ड के मैदानी क्षेत्रों में बसंत कालीन मक्का का प्रचलन विगत कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। इसमें सामान्य मक्के के साथ साथ कुछ किसान बेबी कॉर्न और स्वीट कॉर्न की भी खेती कर रहे हैं। सामान्यतः मक्के की बुवाई फरवरी के दूसरे सप्ताह से शुरू कर मार्च के दूसरे सप्ताह तक की जाती है। मध्य फरवरी में बोई गई फसल घुटने से उपर या मंजरी (जीरा) आने की पूर्व अवस्था में है जोकि मक्के की फसल की क्रान्तिक अवस्था है। ऐसी स्थिति में किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि आपने खेत की सिंचाई का प्रबन्ध, खरपतवार नियंन्त्रण तथा यूरिया का छिड़काव सुनिश्चित करें अन्यथा इसका मक्का की उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

जिन किसान भाइयों की फसल 20 से 30 दिन की अवस्था के मध्य में है वह खरपतवारों के नियंत्रण हेतु खरपतवार नाशियों जैसे टाम्बोट्रिन 42 प्रतिशत एस सी 115 मिलिलीटर प्रति एकड़ की दर से या टोप्रामेजोन 33.6 प्रतिशत एस सी 30 मिली लीटर प्रति एकड़ की दर से मक्का की खड़ी फसल में छिड़काव करें। किसान भाइयों से अनुरोध है कि अपनी मक्के की फसल की नियमित निगरानी करते रहें। वर्तमान समय में मक्का की फसल में पतझड़ सैनिक कीट (फॉल आर्मी वर्म) का प्रकोप प्रारम्भ हो चुका है। अतः किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे इस कीट का प्रबन्धन निम्नानुसार करें:

1. देर से बोई गई फसल में 5 प्रतिशत पौधों में क्षति दिखाई देने पर निम्बोली के सत का 5 प्रतिशत या अजेरेक्टिन (नीम तेल आधारित कीटनाशी) 5 मिली लीटर प्रति लीटर की दर से छिड़काव करें।
2. जिन किसान भाइयों की फसल घुटने से ऊपर तक की अवस्था में आ चुकी है तथा सूड़ियां अपेक्षाकृत थोड़ी बड़ी हैं उन फसलों में 10 से 20 प्रतिशत पौधें क्षतिग्रस्त होने पर स्पाइनोटोरम 11.7 प्रतिशत एस. सी. का 0.5 मिली प्रति लीटर या क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 प्रतिशत एस. सी. का 0.4 मिली प्रति लीटर की दर से धोल बनाकर छिड़काव करें। छिडकाव करते समय इस बात का ध्यान रखें कि पौधें के केन्द्रिय पत्तियों तक रसायन जरूर पहुचे।

बेबी कॉर्न और स्वीट कॉर्न की फसल में भुटटों की तुड़ाई समय पर करें क्योंकि देर से तुड़ाई करने पर बाजार भाव कम मिलता है।

किसान भाइयों से विशेष अनुरोध है कि मक्के की फसल में उपरोक्त कार्य स्वंय करे और यदि मजदूर लगाने की आवश्यकता है तो इस बात का ध्यान रखें कि दो व्यक्तियों के बीच में कम से कम एक मीटर की दूरी अवश्य बनी रहे जिससे कोरोना संक्रमण की किसी भी संम्भावना से बचा जा सके। किसान भाई आवश्यकता पड़नें पर अधोहस्ताक्षरी से उसके मोबाइल नम्बर – 7500941100 पर भी सम्पर्क कर सकते है।

(आर0 पी0 सिंह)
परियोजना समन्वयक,
अखिल भारतीय समन्वित मक्का शोध परियोजना